"मैं आत्मा हूँ"...यानी आत्मा में विश्वास...

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

मैं आत्मा हूँ यह याद आने से परमात्मा अवश्य याद आयेगा। क्योंकि हमारे बाबा और हममें समानता है। जो उनमें शक्तियां हैं वो ही उनका प्रतिबिंब हम आत्मा में भी है। वो खुशियों का सागर है और हम भी खुश स्वरूप हैं। तब भला डिप्रैशन आने की मार्जिन ही कहाँ!

आत्म विश्वास है आत्मा में विश्वास, मैं आत्मा हूँ। अगर "मैं आत्मा हूँ" यह याद आया तो पिता परमात्मा ज़रूर याद आयेगा। जब यह विश्वास रहता है तो ठीक रहते हैं। जब यह भूल जाते हैं तो क्या नतीजा निकलता है? निराश, उदास हो जाते हैं। डिसअपाइंटमेंट(निराशा) क्यों होती है? क्योंकि हम आत्मा जो प्वाइंट हैं, उसको भूल जाते हैं। इसलिए बाबा कहते हैं, बच्चे, निराश मत होवो, हताश मत होवो। जैसे बच्चा मुरझा जाता है, दुःखी हो जाता है तो उसके माँ-बाप कहते हैं, तुम तो लाडले हो, देखो, हमारी कितनी मिलकियत है! तुम ही तो मेरे वारिस हो। ये सब चीज़ें तुम्हारी हैं, वो चीज़ तुम्हारी, सब कुछ तुम्हारा है। इस प्रकार बच्चे का क्या-क्या है- यह याद दिलाकर उसको खुशी में लाते हैं।

बाबा भी हमें बताते हैं कि तुम क्या-क्या हो। क्या-क्या वर्सा तुम्हें मिल रहा है। अगर कोई व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को तिजोरी में या लॉकर्स में बन्द करके रखे और बहुत दिनों तक देखे ही नहीं तो उसको भूल जाता है। अगर वह खोलकर बार-बार देखता रहे तो उसको खुशी भी होती है और नशा भी चढ़ता है कि मेरे पास यह भी है, वह भी है, मोती भी हैं, रत्न भी हैं। बाबा हमें याद दिलाता है कि तुम्हारे पास क्या खज़ाने हैं। हमें डिप्रैशन(उदास) में आने की ज़रूरत नहीं है। क्योंकि हम हैं ईश्वरीय सन्तान, परमात्मा की औलाद।

> **"अगर कोई व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को तिजोरी में या लॉकर्स में बन्द करके रखे और बहुत दिनों तक देखे ही नहीं तो उसको भूल जाता है। अगर वह खोलकर बार-बार देखता रहे तो उसको खुशी भी होती है और नशा भी चढ़ता है कि मेरे पास यह भी है, वह भी है, मोती भी हैं, रत्न भी हैं। बाबा हमें याद दिलाता है कि तुम्हारे पास क्या खज़ाने हैं। हमें डिप्रैशन(उदास) में आने की ज़रूरत नहीं है। क्योंकि हम हैं ईश्वरीय सन्तान, परमात्मा के बच्चे। जब ये हमारे कॉन्शियस में गहरा बैठ जाता है तब भला डिप्रैशन का क्या स्थान रहेगा!"**

हम और डिप्रैशन- यह कैसे हो सकता है?

नेपोलियन कहता था कि 'असंभव' शब्द हमारे शब्दकोष में नहीं, मूर्खों के शब्दकोष में होता है। इसी प्रकार, डिप्रैशन शब्द ज्ञानियों के शब्दकोष में नहीं, अज्ञानियों के शब्दकोष में होता है। डिप्रैशन का कारण ईर्ष्या भी होती है। किसी को देखा कि यह मेरे साथ का है, यह क्या से क्या बन गया! मैं जैसे था वैसे ही रह गया। ऐसे जब सोचता है तो व्यक्ति को डिप्रैशन होता है कि मैं पिछड़ गया। लेकिन बाबा क्या कहता है? अपने को देखो, दूसरों को मत देखो। हमें अनुसरण करना है बाबा-मम्मा का। हम दूसरों के अनुयायी हैं क्या? हरेक का इस ड्रामा में अपना-अपना पार्ट है। अपनी-अपनी तकदीर है, अपना-अपना भाग्य है। यह वैरायटी ड्रामा है। एक न मिले दूसरे से। इसलिए, हम किसी से मुकाबला नहीं कर सकते और करना भी नहीं चाहिए।

बाबा कहते हैं, भले रेस करो लेकिन रीस नहीं करो। जब हम रीस अर्थात् ईर्ष्या करना शुरू करते हैं तो उसकी आग में जलते रहते हैं। तब डिप्रैशन आ जाता है। इन चीज़ों को हमें छोड़ना चाहिए। एक इच्छा पूरी हो जाती है तो दूसरी इच्छा पैदा हो जाती है। वो पूरी हो जाती है तो तीसरी पैदा हो जाती है। इच्छाओं का अन्त है ही नहीं। किसी ने कहा कि दुनिया मनुष्य की इच्छाएं हैं। वे सब पूरी हो जायें तो भी उसकी इच्छाएं पूरी नहीं होती क्योंकि फिर नयी इच्छाएं पैदा हो जाती हैं।

"हज़ारों ख्वाइशें ऐसी कि हर ख्वाइश में दम निकले।
बहुत निकले मेरे अरमान, फिर भी कम निकले।"

आदमी की ख्वाइशें पूरी होने वाली नहीं हैं। कितनी बड़ी-बड़ी ख्वाइशें हैं! वे सब छोड़ देनी चाहिए। मुझे कोई इच्छा नहीं, बाबा मिल गया तो सब मिल गया। मैं भरपूर हो गया। बाबा ने मेरी झोली भर दी। बाबा ही मेरा जहान है। ये सारी बातें बाबा ने हमको बताई हैं। हमारे डिप्रैशन के दिन समाप्त हो गये।

दिल्ली-वंसत विहार। भारत के 12वें पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा से स्नेहभरी मुलाकात करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. क्षीरा दीदी, डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके एवं ब्र.कु. विकास।

जीआरसी-यूएसए। अमेरिका में जीआरसी,हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में 'राजयोग ध्यान का सशक्त प्रभाव' विषय पर सम्बोधन देने के पश्चात् डॉ. ब्र.कु. गीता,माउंट आबू को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित करते हुए बैरन एलेक स्टर्न, मेयर काउंसलर सलीम चौधरी(हैरो), काउंसलर मोहम्मद अमीरुल इस्लाम(एनफील्ड) व एलओएसडी के डायरेक्टर सीईओ प्रो.डॉ. परिन सोमानी।

ओडिशा-भंजनगर। शान्ति सरोत भवन में आयोजित साधु संत सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करने के पश्चात् साधु-संतों के साथ हैं ब्र.कु. संतोषिनी।

नोयडा-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ सेक्टर 46 के द्वारा गार्डेनिया ग्लोरी क्लब हॉल में 'आध्यात्मिक शक्ति का चमत्कार' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में सभा को सम्बोधित करते हुए प्रेरक वक्ता और चार्टर्ड अकाउंटेंट ब्र.कु. रुचि,लंदन। मौके पर उपस्थित रहे ब्र.कु. कीर्ति, प्रो. प्रदीप माथुर,मीडिया गुरु और नेशनल हेराल्ड,पायनियर,द ट्रिब्यून के पूर्व संपादक, प्रख्यात पत्रकार और समाचार एंकर राशिद हाशमी, क्लियरमेडी हेल्थकेयर के सीईओ कमांडर नवनीत बाली तथा अन्य।

मुरादाबाद-न्यू सिविल लाइंस(उ.प्र.)। सिविल लाइन एटीएम ज्योति भवन में आर्ट ऑफ कल्चर विंग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रतीज्ञा करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आशा दीदी, ब्र.कु. पीयूष,ज़ोनल समन्वयक विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, डॉ. सुरेंद्र प्रकाश गुप्ता,जादूगर जुगनू, पंकज दर्पण,कोरियोग्राफर और डायरेक्टर, चंचल जी,अभिनेता एवं निर्देशक तथा अन्य।

मोकामा-बड़हिया(बिहार)। सेवाकेन्द्र पर आयोजित ज्ञानयज्ञ कथा में आये बड़हिया थानाध्यक्ष ब्रजकिशोर, अपर थानाध्यक्ष ईलू उपाध्याय, अंचलाधिकारी राकेश आनंद, वीरुपुर थानाध्यक्ष वीरेन्द्र देव दीपक, ब्र.कु. निशा, ब्र.कु. रोशनी व ब्र.कु. नीलम।

करनाल-कुंजपुरा। 12 ज्योतिर्लिंग दर्शन मेला के उद्घाटन कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के मुख्य कार्यकर्ता राम कुमार कश्यप का फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते हुए ब्र.कु. ओंकार,माउंट आबू। साथ हैं ब्र.कु. निर्मल दीदी तथा अन्य।

आसनसोल-पश्चिम बंगाल। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मारवाड़ी युवा मंच द्वारा आयोजित महिला सम्मान समारोह में ब्र.कु. प्रियंका को वर्तमान परिस्थिति में सर्व महिलाओं के प्रति परमपिता परमात्मा का संदेश सुनाने हेतु मोमेंटो भेंट कर सम्मानित करते हुए शहर की गणमान्य महिलाएं।

फिरोज़ाबाद-उ.प्र.। होली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी ब्र.कु. भाई-बहनों को चंदन तिलक लगाते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सरिता बहन। साथ हैं अन्य ब्र.कु. बहनें।